Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-1

शीत युद्ध का दौर

स्मरणीय बिंदु-

समकालीन विश्व राजनीति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक की वैश्विक घटनाओं के अध्ययन का विषय है।

द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस तथा सोवियत संघ जिन्हें मित्र राष्ट्र कहा गया ने विजय प्राप्त की तथा जर्मनी, इटली तथा जापान जिन्हें धुरी राष्ट्र कहा गया, इनकी युद्ध में हार हुई।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से 1990 तक की वह तनावपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति जो संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच रही, को शीत युद्ध कहा गया।

किसी भी शक्ति गुट में बिना शामिल हुए अपनी नीतियों का अनुसरण करना गुटनिरपेक्षता तथा किसी भी पक्ष में युद्ध में भाग न लेना तटस्थता की नीति कहलाई

सैन्य-सन्धि संगठन-

दोनों महशक्तियों ने अपनी शक्ति वृद्धि हेतु सैन्य संगठन बनाये। अप्रैल 1949 में (उत्तर अटलांटिक सन्धि संगठन) नाटो, अमेरिका द्वारा लोकतंत्र को बचाना, 1954 में दक्षिण पूर्व एशियाई सन्धि संगठन (सीटों) अमेरिका नेतृत्व-साम्यवाद प्रसार रोकना, 1955 में बगदाद पैक्ट या केन्द्रीय सन्धि संगठन अमेरिकी नेतृत्व-साम्यवाद रोकना, 1955 वारसा सन्धि सोवियत संघ नेतृत्व!

शीतयुद्ध के दायरे (विवाद क्षेत्र)

1948 - बर्लिन की नाके बन्दी

1950 - कोरिया संकट

1954 - में वियतनाम में अमेरिका हस्तक्षेप

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1962 – क्यूबा संकट

1971 – भारत–पाक युद्ध

1979 – अफगानिस्तान में सोवियत संघ का हस्तक्षेप

दो ध्रुवीयता को चुनौती : (A) गुटनिरेपेक्षता– भारत के जवाहर लाल नेहरू, मिस्र के अब्दुल गमाल नासिर, युगोस्लाविया के टीटो, इण्डोनेशिया के सुकर्णो, घाना के वामें एनक्रुमा ने 1961 में युगोस्लाविया के बेलग्रेड में 25 सदस्यों के साथ इस संगठन की स्थापना की। जुलाई 2009 में गुट निरपेक्ष देशों का 15वां सम्मेलन मिस्र में हुआ जिसमें इसकी सदस्य संख्या 118 तथा 15 देश पर्यवेक्षक हौ पर्यवेक्षक संगठनों की संख्या 9 है।

(B) नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था– गुट निरपेक्ष देशों ने 1972 में संयुक्त राष्ट्र के व्यापार और विकास से सम्बंधित सम्मेलन (UNCT AD) में विकास के लिए 'एक नई व्यापार नीति की ओर' एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया ताकि विकसित देशों तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा गरीब देशों का आर्थिक शोषण समाप्त हो सकें।

भारत व शीत युद्ध– भारत ने नव स्वतंत्र देशों की अगुवाई की। भारत ने USA तथा USSR से अच्छे संबंध रखने की कोशिश राष्ट्रीय हितों की प्राथमिकता के साथ की।

शस्त्र नियन्त्रण सन्धि–

- L.T.B.T. - Limited Test Ban Treaty 05-10-1963, जल,वायुमण्डल, बाह्य अंतरिक्ष में परमाणु परीक्षण प्रतिबन्ध।

- N.P.T. - Nuclear Non - Proliferation Treaty 01-7-1968, इसमें जनवरी 1967 से पूर्ण परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र के अलावा कोई अन्य देश परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा।

- SALT - Strategic Arms Limitation Talk-I–मई 1972 व SALT-II–जून 1972, घातक प्रतिरक्षा हथियार परिसीमन।

- START - Strategic Arms Reduction Treaty I–July 1991 and START-II–January 1993 - सामरिक अस्त्र परिसीमन न्यूनीकरण सन्धि।

नए स्वतंत्र देश (तीसरी दुनिया) ने गुट निरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया क्योंकि–

(i) नव–स्वाधीन राष्ट्र जानते थे कि सैनिक गुट उनकी स्वाधीनता व शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा कर देंगे।

(ii) नव–स्वाधीन राष्ट्र जानते थे कि सैनिक संगठनों को बढ़ावा देने से अस्त्र–शस्त्र के निर्माणों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे विश्व शांति को खतरा पैदा होगा।

(iii) इन देशों के सामने सामाजिक और आर्थिक पुनर्निर्माण की एक भारी जिम्मेदारी थी और इस कार्य को युद्ध एवं तनावों से मुक्त वातावरण में ही पूरा किया जा सकता था।

(iv) शक्ति संगठन का सदस्य बनने से उन्हें संगठनों के बनाए गए नियमों पर चलना पड़ता, इसलिए वे तटस्थ रहे।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

एक अंकीय प्रश्न :-

निम्न वाक्य सही करके लिखो :

1. अमेरिका ने अपने सहयोगियों के साथ 1955 में वारसा की सन्धि की।
2. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किन दो महाशक्तियों का उदय हुआ?
3. तीसरे विश्व के नाम से किन देशों को जाना जाता है?
4. गुट निरपेक्ष देशों का 15 वां सम्मेलन कहां हुआ?
5. उन देशों का नाम लिखों जो पहले वारसा संधिये शामिल थे और अब यूरोपीय संघ के सदस्य है?
6. धुरी देशों में कौन देश शामिल थे?
7. गुटनिरपेक्ष देशों का 15वां सम्मेलन कब व कहां हुआ।

दो अंकीय प्रश्न :-

1. अमेरिका ने कब जापान के दो शहरों पर परमाणु बन गिराये?
2. यूरोप के देश किस प्रकार महाशक्तियों से जुड़े?
3. उन तीन नेताओं के नाम बताओं जिनके प्रयासों से गुटनिरपेक्षता का जन्म हुआ?
4. छोटे देश महाशक्तियों के गुट में किस कारण शामिल हुए?
5. गुट निरपेक्षता से भारत को क्या लाभ हुआ?
6. निशस्त्रीकरण से आपका क्या अभिप्राय है?
7. शीतयुद्ध के दो गुटों के अगुआ देश तथा उनकी विचारधाराओं के नाम लिखो।
8. शीतयुद्ध से आपका क्या अभिप्राय है?
9. शीतयुद्ध के संदर्भ में अपरोध (रोक व संतुलन) से आप क्या समझते हैं?
10. क्या आप मानते है कि गुटनिरपेक्षता की नीति पलायन की नीति नहीं है। सिद्ध करो।
11. द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र देशों के गुट में कौन से देश शामिल थे?
12. क्यूबा संकट के समय अमेरिका व सोवियत संघ का नेतृत्व कौन-कौन से नेता कर रहे थे?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. सोवियत संघ ने अपने सहयोगियों के साथ 1955 में वारसा की संधि की।
2. अमेरिका और सोवियत संघ

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. गुट निरपेक्ष आंदोलन में शामिल देश

4. गुट निरपेक्ष देशों का 15वां सम्मेलन मिस्र में हुआ।

5. हंगरी और पोलैण्ड

6. जर्मनी, इटली व जापान

7. जुलाई 2009, मिस्र के शर्मअल शेख शहर में हुआ।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. अगस्त 1945 हिरोशिमा और नागासाकी।

2. पश्चिम यूरोप के अधिकांश देश अमेरिका के साथ।

   पूर्वी यूरोप के अधिकांश देश सोवियत संघ के साथ।

3. भारत के जवाहर लाल नेहरू, मिस्र के नासिर व यूगोस्लाविया के व्राज टीटों।

4. अपनी सुरक्षा व महाशक्तियों के प्रभाव से बचने के लिए।

5. इससे अन्तर्राष्ट्रीय निर्णय लेने आसान हुए।

6. विनाशकारी हथियारों का निर्माण न करना व उन पर नियंत्रण रखना।

7. (1) संयुक्त राज्य अमरीका - *लोकतांत्रिक उदार पूंजीवादी।

   (2) सोवियत संघ - साम्यवादी (समाजवादी)

8. यह ऐसी अवस्था है जब दो या अधिक देशों के बीच भय, अनिश्चय, असुरक्षा, कूटनीतिक दांवपेंच, वैचारिक घृणा, एक-दूसरे को नीचा दिखाकर अपनी श्रेष्ठता दिखाने का वातावरण हो। इसमें युद्ध की सम्भावना बनी रहती है। इसमें संचार साधनों द्वारा अपनी श्रेष्ठता का प्रचार किया जाता है।

9. दोनों महाशक्तियों में एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने की क्षमता है कोई भी पक्ष युद्ध का खतरा नहीं उठाना चाहेगा इसी कारण पारस्परिक अपरोध के कारण युद्ध नहीं हुआ।

10. गुट निरपेक्षता का अर्थ अन्तर्राष्ट्रीय मामलों पर महाशक्तियों से अलग रहना तथा सही गलत का निर्णय स्वयं करना था न कि सक्रिय रहकर मतभेद बढ़ाना।

11. अमेरिका, सोवियत संघ, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, ब्राजील आदि।

12. जानॅ एफ केनेड़ी, निकिता खुश्चेव।

चार अंकीय प्रश्न :-

1. महाशक्तियां छोटे देशों के साथ सैन्य गठबंधन क्यों रखती थी?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. सोवियत संघ के प्रति भारत की विदेश नीति पर टिप्पणी करें?
3. भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति की आलोचना क्यों की गई?
4. स्पष्ट करें कि गुटनिरपेक्षता का अर्थ पृथकतावाद नहीं होता?
5. ''भारत की विदेश नीति न तो नकारात्मक थी और न ही निश्क्रियता की'' प्रस्तुत कथन को स्पष्ट करें?
6. स्पष्ट करें कि क्यूबा मिसाइल संकट शीतयुद्ध का चरम बिंदु था?

छः अंकीय प्रश्न :-

1. प्रक्षेपास्त्रों को कम करने के उद्देश्य से किए गए समझौते व संधियों का वर्णन करे?
2. नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का वर्णन करें?
3. शीतयुद्ध की उत्पत्ति के प्रमुख कारणों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें?
4. गुटनिरपेक्ष सम्मेलनों के इतिहास का वर्णन करें?
5. 'वैश्विक राजनीति में गुटनिरपेक्षता एक सराहनीय प्रयास था विश्व को एकजुट करने के लिए' - स्पष्ट करें।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com